दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 03 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 154

अंतर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक, रिसॉर्ट के पास प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में 3 विमानों की एंट्री से मचा हड़कंप

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा रिसॉर्ट मार-ए-लागो के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि तीन नागरिक विमानों ने एयर स्पेस का उल्लंघन किया जिन्हें एफ-16 लड़ाकू विमानों कथित तौर क्षेत्र से बाहर किया। हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के कारण उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान (एनओआरएडी) ने तुरंत लड़ाकू विमानों को सिविलयन एयरफ्राट्स को क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए भेजा। ये घटनाएं सुबह 11:05 बजे, दोपहर 12:10 बजे और दोपहर 12:50 बजे हुईं, हालांकि हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। इस तरह के उल्लंघन की यह पहली घटना नहीं है, क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में ऐसी घटनाएं अक्सर रिपोर्ट की गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हवाई क्षेत्र उल्लंघन इस क्षेत्र में एक पैटर्न बन गए हैं। कई महत्वपूर्ण तिथियों के आसपास उल्लंघन हुए। उदाहरण के लिए, 15 फरवरी को दो उल्लंघन की सूचना मिली, और एक अन्य उल्लंघन 17 फरवरी को राष्ट्रपति दिवस पर हुआ। एनओआरएडी ने इन उल्लंघनों के लिए हुए लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जिसमें फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। फ्लेयर्स का इस्तेमाल आम तौर पर विमानों को बिना किसी नुकसान के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए किया जाता है। ये घटनाएं मार-ए-लागो जैसे हाई-प्रोफाइल स्थानों के आस-पास हवाई क्षेत्र प्रबंधन में चल रही सुरक्षा चिंताओं को उजागर करती हैं।

इजरायल ने 'रमजान' और 'पासोवर' के बीच अमेरिका के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को किया स्वीकार

यरुशलम। इजरायल ने 'रमजान' और 'पासोवर' की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए अस्थायी युद्धविराम का ऐलान किया है। अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा शनिवार और रविवार की आधी रात को जारी एक बयान में कहा गया कि इजरायल ने मुस्लिम पवित्र महीने रमजान और यहूदी पासोवर की छुट्टी के दौरान गाजा पट्टी में एक अस्थायी युद्धविराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। बता दें कि पवित्र महीना 'रमजान' शनिवार को शुरू हुआ जो मार्च के अंत तक चलेगा, जबकि यहूदी 'पासोवर' सप्ताह 12 से 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा। मध्य पूर्व में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव के अनुसार, युद्धविराम के पहले दिन हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए 59 जीवित और मृत इजरायली बंधकों में से लगभग आधे रिहा किए जाएंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अगर स्थायी युद्धविराम पर सहमति बनती है तो रूपरेखा की अवधि के अंत में बाकी बंदियों को रिहा कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि विटकॉफ ने युद्धविराम को बढ़ाने का प्रस्ताव इसलिए रखा है, क्योंकि उन्हें लगा कि इस दोनों पक्षों को फिलहाल मनाना संभव नहीं है और स्थायी युद्धविराम पर बातचीत के लिए और समय की आवश्यकता है।

पूरा ब्रिटेन आपके साथ' यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने दिलाया भरोसा, 2.26 बिलियन पाउंड का दिया कर्ज

लंदन । यूक्रेन और ब्रिटेन ने शनिवार को 2.26 बिलियन पाउंड (2,48,63,86,46,000 रुपये) के लोन एग्रीमेंट पर साइन किए, जिससे यूक्रेन की रक्षा क्षमता को मजबूती मिलेगी। यह समझौता ऐसे समय हुआ जब एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की की व्हाइट हाउस में तीखी बहस हो गई थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की से मिलकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि यूक्रेन को यूनाइटेड किंगडम का पूरा समर्थन प्राप्त है। एक ओर जहां ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ जेलेंस्की की बातचीत तनावपूर्ण रही, तो वहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जेलेंस्की का गर्मजोशी से गले लगाकर स्वागत किया। इस मुलाकात को जेलेंस्की ने 'उत्साहजनक' बताया और यूक्रेन के प्रति ब्रिटेन के 'अटूट समर्थन' की सराहना की। स्टार्मर ने भी दोहराया कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह बैठक एक महत्वपूर्ण यूरोपीय शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुई, जहां यूक्रेन के शांति समझौते पर चर्चा होनी है।

चमोली हिमस्खलन : मृतकों की संख्या हुई सात, आखिर श्रमिक की तलाश में अभियान जारी

चमोली । आरएनएस

उत्तराखंड के माना क्षेत्र में चमोली में हुए हिमस्खलन में मरने वालों की संख्या सात हो गई है। बचाव अधिकारियों ने रविवार को तीन और शव निकाले। इस बीच, आखिरी लापता श्रमिक की तलाश जारी है।

हिमस्खलन में फंसे 55 लोगों में से 46 को बचा लिया गया है जबकि सात के शव बरामद हुए हैं। एक मजदूर खुद सुरक्षित अपने घर पहुंच गया था।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सुबह आपदा परिचालन केंद्र का दौरा किया और चमोली में चल रहे बचाव कार्यों की निगरानी के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की।

रविवार सुबह मौसम साफ होने के बाद बचाव कार्य फिर से शुरू हो गया, जिससे अभियान में शामिल टीमों को खोजबीन तेज करने में मदद मिली। अभियान में सहायता के लिए हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए हैं।

शुक्रवार सुबह माना गांव में हुए हिमस्खलन में 55 मजदूर फंस गए थे। सेना, आईटीबीपी, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के त्वरित और समन्वित प्रयासों से 46 मजदूरों को बचा लिया गया। हालांकि, सात मजदूरों की जान चली गई और एक अभी भी लापता है।

बचाव अभियान में मदद के लिए ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर), थर्मल इमेजिंग कैमरे और पीड़ित-स्थान निर्धारण कैमरों सहित उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

सीएम धामी ने कहा, आज (रविवार) का साफ मौसम हमारे पक्ष में है, लेकिन कल (सोमवार) के लिए हाई अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। ऊंचाई वाले इलाकों में काम करने वालों को बर्फबारी और हिमस्खलन की उच्च आशंका के कारण काम रोकने की सलाह दी गई है।

उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकता लापता श्रमिकों का जल्द से जल्द पता लगाना है। सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन दल, बीआरओ और वायुसेना समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग भी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में संचार और बिजली बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कई गांवों का संपर्क टूट गया है और खाद्य आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। पांच ब्लॉकों में बिजली बाधित हो गई थी, लेकिन आंशिक रूप से बहाल कर दी गई है। चूंकि प्रभावित स्थल माना के पास है, इसलिए सभी प्रकार के संचार टूट गए हैं और संपर्क बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

शुक्रवार सुबह 5:30 से 6:00 बजे के बीच हिमस्खलन हुआ था, जिसमें आठ कंटेनरों और एक शेड के अंदर मौजूद सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के 55 श्रमिक दब गए।

सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय प्रशासन, उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) और भारतीय वायु सेना सहित कई एजेंसियों की भागीदारी में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान कठिन भूभाग और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के बावजूद जारी है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चार गिरफ्तार

जयपुर । आरएनएस

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में जयपुर पुलिस ने चार आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले दौसा जेल में बंद थे, जिन्हें विधायकपुरी थाना पुलिस ने हिरासत में लेकर शनिवार को अदालत में पेश किया, जिसके बाद उन्हें दो दिन के रिमांड पर लिया गया।

थाना प्रभारी बनवारी लाल मीना के अनुसार गिरफ्तार रिंकू उर्फ रंडवा (28) निवासी हरसौरा अलवर, शहजाद खान उर्फ साजिद (28) निवासी उन्नाव, उत्तर प्रदेश, वर्तमान में संजय नगर-ई, झोटवाड़ा में रहते हैं। इसी प्रकार जयनारायण (32) और राकेश जोशी (45) सदर दौसा के निवासी हैं। रिंकू और शहजाद खान उर्फ साजिद पहले से ही पॉक्सो एक्ट के तहत दौसा जेल में बंद थे।

जांच में पता चला कि सात दिन पहले दौसा के श्यालवासा सेंट्रल जेल में बंद रिंकू उर्फ रंडवा ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में दो बार फोन करके भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने कहा था, मैं तुम्हें आधी रात से पहले जान से मार दूंगा।

जांच में पता चला कि आरोपी जयनारायण ने अपने नाम से 1,500 रुपये में एक सिम कार्ड खरीदा था, जिसे बाद में कंपाउंडर राकेश जोशी ने उसे जेल के अंदर रिंकू को सौंप दिया था।

अधिकारियों ने बताया कि जयपुर पुलिस द्वारा मामले की जांच चल रही है और जांच का ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि सिम कार्ड की तस्करी जेल में कैसे हुई और क्या आरोपियों के कोई बाहरी साथी भी थे। पुलिस ने बताया कि 21 फरवरी को दौसा की जेल से एक कैदी ने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 28 वर्षीय रिंकू ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी।

पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता, कुख्यात गैंगस्टर दीपा गिरफ्तार; 3 अत्याधुनिक हथियार, 141 जिंदा रौंद और नशा बरामद

चंडीगढ़ । आरएनएस

पंजाब में बढ़ते अपराध और आतंकवाद की चुनौती को देखते हुए पंजाब पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर ने एक खुफिया सूचना के आधार पर घल्ल खुर्द गांव में तस्कर और गैंगस्टर हरदीप सिंह उर्फ दीपा को गिरफ्तार किया। यह जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर दी गई। पकड़े गए गैंगस्टर हरदीप सिंह उर्फ दीपा के पास से तीन अत्याधुनिक हथियार और नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। इस गिरफ्तारी ने राज्य में आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

पुलिस ने दीपा के पास से तीन पिस्तौल, एक ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा .30 एमएम पिस्तौल, और एक पंप एक्शन गन बरामद की हैं। इसके साथ ही 141 मिश्रित कारतूस (9एमएम, .30 कैलिबर, 12 बोर) और 45 ग्राम हेरोइन भी जब्त की गई। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपी के पास से एक स्विफ्ट कार भी बरामद की। प्रारंभिक जांच से यह स्पष्ट हुआ कि राज्य में आतंक और आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ये हथियार और नशीले पदार्थ सीमा पार से मंगवाए गए थे।

पंजाब पुलिस के डीजीपी ने अपने आधिकारिक हैंडल पर बताया, खुफिया जानकारी पर आधारित एक ऑपरेशन में, काउंटर इंटेलिजेंस फ़िरोज़पुर ने फ़िरोज़पुर के घल्ल खुर्द गांव के तस्कर-सह-गैंगस्टर हरदीप सिंह उर्फ दीपा को गिरफ़्तार किया और उसके पास से 3 अत्याधुनिक हथियार और नशीले पदार्थ बरामद किए। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि राज्य में आतंक और आपराधिक गतिविधियों के लिए सीमा पार से हथियार मंगवाए गए थे। पीएस स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, फाजिल्का में एफआईआर दर्ज की गई है और पूरे नेटवर्क को उजागर करने के लिए आगे की जांच चल रही है। पंजाब पुलिस संगठित अपराध नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब में शांति बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है।

बीकानेर में भीषण सड़क़ हादसा : तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो ने ली चार युवकों की जान

बीकानेर । आरएनएस

बीकानेर में एक दर्दनाक सड़क़ हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। शनिवार देर रात नाल थाना इलाके में एनएच-11 (जैसलमेर रोड) पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चारों युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

शादी समारोह से लौट रहे थे युवक

नाल एसएचओ विकास विश्नोई के अनुसार, मृतकों की पहचान ओमप्रकाश (29) पुत्र गंगाराम, राहुल (25) पुत्र चोरूराम, कोजुराम उर्फ श्यामलाल (18) पुत्र बिरजूराम और गोरधन (30) पुत्र चोरूराम के रूप में हुई है। ये सभी किसी शादी समारोह से काम निपटाकर अपने गांव नाल लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी।

तीन की मौके पर ही मौत, एक ने अस्पताल में तोड़ा दम- हादसा इतना भयानक था कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक को गंभीर हालत में बीकानेर के क्कक्चरू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, यहां तक कि स्कॉर्पियो के पहिए तक निकल गए।

हादसों में दो युवकों की मौत, तीन घायल

रुद्रपुर (आरएनएस)। किच्छा बाईपास गंगापुर रोड पर शनिवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। वहीं सितारगंज में शनिवार रात हादसे में पीलीभीत निवासी एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रम्पुरा वार्ड नंबर 22 निवासी 45 वर्षीय महेंद्र पुत्र होरीलाल शादी-पार्टियों में कैटरिंग का काम करते थे। महेंद्र के भांजे गोपाल ने बताया कि शनिवार को महेंद्र आनंद विहार में एक शादी समारोह में काम करने गए थे। देर रात करीब दो बजे अन्य वाहन नहीं मिलने के कारण वह शाहजहांपुर यूपी निवासी शैलेन्द्र पुत्र नन्दी के साथ बाइक से घर वापस लौट रहे थे। बाइक पर वहां काम करने आई दो महिला नीलम और रेखा भी सवार थीं। करीब ढाई बजे वह किच्छा बाईपास गंगापुर रोड के पास पहुंचे। यहां उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में चारों बाइक से सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस चारों घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल लेकर गई। यहां चिकित्सकों ने महेंद्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीनों घायलों को सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर कर दिया। मृतक महेंद्र के दो बेटे और एक बेटी है। थाना ट्रांजिट कैंप प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए बाइक को टक्कर मारने वाले वाहन को चिह्नित किया जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं सितारगंज के निर्मलनगर में शनिवार देर रात 50 वर्षीय अरविंद बैरागी पुत्र राधाघन बैरागी निवासी न्यूरिया कॉलोनी पीलीभीत, हाल निवासी निर्मलनगर रतनफार्म नंबर एक शक्तिफार्म सड़क किनारे पैदल जा रहे थे।

नीट अभ्यर्थी की संदिग्ध मौत, पिता का दावा 'परीक्षा को लेकर तनाव में थी बेटी इसलिए दी जान'

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के तिंडीवनम की 19 वर्षीय युवती ने आगामी नीट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के डर से कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। टिंडीवनम के पास थडापपुरम गांव की रहने वाली युवती ने उसी गांव के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल से अच्छे अंकों के साथ 12वीं की पढ़ाई पूरी की थी। उसने पुडुचेरी के एक निजी संस्थान से नीट की कोचिंग भी ली थी और पिछले साल 350 अंक हासिल करके परीक्षा दी थी, लेकिन दुर्भाग्य से वह सफल नहीं हो पाई। इस साल वह फिर से परीक्षा की तैयारी कर रही थी और हाल ही में उसने अपना ओबीसी प्रमाण पत्र बनवाया था, जिसे उसने परीक्षा के लिए आवेदन के साथ जमा किया था। जिस दिन उसने यह जानलेवा कदम उठाया, उस दिन उसके माता-पिता और भाई खेती के काम के लिए खेतों में गए थे और वह अकेली रह गई थी।

शाम को जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि युवती पंखे से लटकी हुई थी। परिवार सदमे में था और समझ नहीं पा रहा था कि क्या करें। पास के वेलीमेडु पेट्टई थाने की पुलिस को सूचना दी गई और वे रात करीब 11 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए विल्लुपुरम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। फिलहाल छात्रा की मौत की जांच चल रही है। तिंडीवनम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

एमआईटी के जोनाथन फ्लेमिंग ने नमो ड्रोन दीदियों से की मुलाकात, बोले दूसरे देश की महिलाएं लें प्रेरणा

नई दिल्ली । आरएनएस

अमेरिका में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के सीनियर लेक्चरर, प्रोफेसर जोनाथन फ्लेमिंग ने हाल ही में कहा कि भारत महिला सशक्तीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है, जो न केवल देश के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए बल्कि अन्य देशों की महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि दूसरी महिलाएं भी इस कॉन्सेप्ट से सीख सकती हैं।

नई दिल्ली में आईसीएआर पूसा कैंपस में नमो ड्रोन दीदियों से बातचीत करते हुए उन्होंने महिला सशक्तीकरण में सरकार के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की।

प्रोफेसर फ्लेमिंग भारत में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं को मिल रही ट्रेनिंग के तरीकों और लाभों से प्रभावित हुए।

ड्रोन दीदियों ने विजिटिंग प्रोफेसर को ड्रोन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने में उन्हें सक्षम बनाने और ड्रोन दीदियां बनने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में बताया।

प्रोफेसर फ्लेमिंग के साथ बातचीत करते हुए, दीदियों ने बताया कि ड्रोन का इस्तेमाल कर उन्हें घनी फसलों में उर्वरक और कीटनाशकों का छिडक़ाव करने में मदद मिल रही है, खासकर ऐसे क्षेत्रों में जहां मैन्युअल छिडक़ाव एक बड़ी चुनौती रही है।

उन्होंने कहा कि उन्हें ड्रोन दीदियां कहला जाने पर गर्व महसूस होता है, साथ ही इससे उनकी वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

जोनाथन ने आईआरएआई के ड्रोन रोबोटिक और मशीन लर्निंग सेंटर का भी दौरा किया, जहां उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित अलग-अलग तरह के ड्रोन देखे और जाना कि कैसे टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से पारंपरिक खेती में बदलाव लाया जा रहा है।

आईआरएआई के कृषि भौतिकी डिविजन के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. रवि साहू ने प्रोफेसर को भारत की ड्रोन यात्रा के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे भारत अपनी अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था की रीढ़ 'कृषि क्षेत्र' में सुधार के लिए स्वदेशी ज्ञान और मॉर्डन टेक्नोलॉजी को इंटीग्रेट कर रहा है।

प्रोफेसर जोनाथन ने इस टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट को बहुत दिलचस्प पाया और कहा कि भारत न केवल वर्तमान कृषि सिस्टम को बदल रहा है, बल्कि भविष्य में निवेश भी कर रहा है।

प्रोफेसर ने कहा कि अमेरिका में ड्रोन प्रोत्साहन योजना के 100 प्रतिशत लाभार्थी पुरुष हैं, जबकि भारत में यह स्थिति बिल्कुल विपरीत है क्योंकि सभी लाभार्थी महिलाएं हैं। जो इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि भारत किस तरह से महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है।